



मुख्यमंत्री का कार्यालय

(जनसंपर्क कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या—cm-283
28/04/2026

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित प्रौद्योगिकी केंद्र, बिहटा (पटना) तथा चार एक्सटेंशन सेंटर— मुजफ्फरपुर, रोहतास, दरभंगा एवं मुंगेर का किया उद्घाटन

- नव स्थापित प्रौद्योगिकी केंद्रों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को डिप्लोमा एवं डिग्री दी जाएगी, जिससे न सिर्फ उन्हें बेहतर रोजगार का अवसर प्राप्त होगा बल्कि रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त होगा।
- बिहार एक ऐसा प्रदेश है जहां इंजीनियरिंग की पढ़ाई के 1 साल का शुल्क मात्र 10 रुपया तथा डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों से शुल्क के रूप में मात्र 5 रुपया लिया जाता है।
- मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में बिहटा के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च सेंटर स्थापित करने हेतु 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।
- भारत की अर्थव्यवस्था में 14 करोड़ बिहारवासी जी0एस0टी0 के माध्यम से अपना योगदान दे रहे हैं। हमारा प्रयास है कि अगले 20 नवंबर तक सरकार के 1 साल पूरा होने तक बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाया जा सके।
- सहयोग कार्यक्रम के तहत प्रत्येक माह में 2 दिन ब्लॉक, अंचल और थाना स्तर पर कैंप लगाकर लोगों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा किया जाएगा।

- बिहार की जन आकांक्षाओं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के विकसित बिहार के सपने को हर हाल में पूरा करूंगा।

पटना, 28 अप्रैल 2026 :- मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नवनिर्मित प्रौद्योगिकी केंद्र, बिहटा (पटना) तथा चार एक्सटेंशन सेंटर— मुजफ्फरपुर, रोहतास, दरभंगा एवं मुंगेर का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने नेशनल एस0सी0 एस0टी0 हब के तहत उद्यमी जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। प्रौद्योगिकी केंद्र बिहटा, पटना परिसर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। इस दौरान केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी, अन्य जनप्रतिनिधियों, नेताओं तथा उद्योग विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार ने मुख्यमंत्री को पुष्प-गुच्छ भेंटकर कर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने प्रौद्योगिकी केंद्र बिहटा परिसर में नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को ट्रेनिंग वर्कशॉप में लगाए गए अत्याधुनिक मशीनों तथा अन्य उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह को लेकर बने मंच पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अपर सचिव डॉ० रजनीश ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा एम0एस0एम0ई0 सेक्टर में किए जा रहे विकास कार्यों तथा बिहार में नव स्थापित प्रौद्योगिकी केंद्रों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, पी0एम0ई0जी0पी0 योजना, एस0सी0—एस0टी0 हब योजना तथा ग्राम उद्योग विकास योजना के लाभार्थियों को चेक/टूलकिट/प्रमाण पत्र प्रदान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन काफी ऐतिहासिक है। संयुक्त बिहार में टाटा, बोकारो जैसे कई बड़े उद्योग स्थापित थे लेकिन वर्ष 2000 में बिहार से झारखंड अलग होने के बाद यहां नाम मात्र के उद्योग रह गए। बिहार में वर्ष 2005 में एन0डी0ए0 की सरकार बनी तब से हमलोगों ने बिहार को आगे बढ़ाना शुरू किया। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पिछले 2 दशक में बिहार के हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए गए। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश को विकसित बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। हमलोग बिहार को समृद्ध बनाने के लिए हर स्तर पर कार्य कर रहे हैं। बिहटा, पटना में 15 एकड़ जमीन पर प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित हुआ है, जिसका उद्घाटन करने का मुझे अवसर मिला है। इसके अलावा मुजफ्फरपुर, दरभंगा, रोहतास और मुंगेर में भी प्रौद्योगिकी केंद्र के एक्सटेंशन सेंटर का आज उद्घाटन किया गया है। मुझे इस उद्घाटन समारोह में शामिल होकर काफी खुशी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पहले काफी विकसित और समृद्ध हुआ करता था। बीच के काल-खंड में बिहार का विकास थम गया था। वर्ष 2005 के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कार्यकाल में बिहार को आगे बढ़ाने का काम शुरू किया गया। जबकि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के विकास की गति को रफ्तार मिलना शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि बिहार की वर्तमान आबादी करीब 14 करोड़ है। प्रदेश में नव स्थापित प्रौद्योगिकी केंद्रों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को डिप्लोमा एवं डिग्री दी

जाएगी, जिससे न सिर्फ उन्हें बेहतर रोजगार का अवसर प्राप्त होगा बल्कि रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त होगा। इसका लाभ लाखों बच्चों को मिलेगा और बच्चे कौशल युक्त होंगे। इस प्रौद्योगिकी केंद्रों में 3 थीम पर प्रशिक्षण दी जाएगी। इनमें उत्पाद की गुणवत्ता, उसकी पैकेजिंग एवं राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादों की कैसे बेहतर ढंग से मार्केटिंग हो सके, इसका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार एक ऐसा प्रदेश है जहां इंजीनियरिंग की पढ़ाई के 1 साल का शुल्क मात्र 10 रुपये है तथा डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों से शुल्क के रूप में 1 साल के लिए मात्र 5 रुपये लिया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कराई है। बिहार के हर अनुमंडल में आई0टी0आई0, पॉलिटैक्निक संस्थान तथा सभी जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना कराई गई है। अब तो सभी जिले में मेडिकल कॉलेज भी स्थापित किए जा रहे हैं। गयाजी में जल्द ही प्रौद्योगिकी सेंटर के लिए जमीन चिन्हित कर उपलब्ध करायी जाएगी। हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि बिहार में 10 और टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान करें ताकि बिहार के अधिक से अधिक नौजवान कौशल युक्त हो सकें। इसके लिए हम प्रधानमंत्री जी से भी मिलकर आग्रह करेंगे। हमने अपने मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में ही बिहटा के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई0आई0टी0) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए0आई0) रिसर्च सेंटर स्थापित करने हेतु 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके स्थापित होने से दुनिया भर से लोग बिहार आयेंगे, जिससे बिहार की समृद्धि बढ़ेगी। जब बिहार विकसित होगा तब ही देश आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले से ही बिहार बाढ़ और सुखाड़ का दंश झेलता रहा है। बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर 'इंद्रपुरी जलाशय समझौता' किया गया है ताकि विवाद खत्म हो। इस समझौते के तहत झारखंड के गढ़वा जिले में 35 वर्षों के लंबित कदवन जलाशय (इंद्रपुरी जलाशय परियोजना-2) का निर्माण शुरू होगा। जिससे बिहार के 8 जिलों में सिंचाई क्षमता दोगुनी हो जाएगी। बिहार में स्मॉल स्केल इंडस्ट्री को काफी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति में और बेहतरी आएगी। यहां बताया गया कि 1 करोड़ 86 लाख लोग सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सेक्टर से जुड़े हैं, जिसकी मार्केटिंग 1 लाख करोड़ रुपये तक का है। जब तक जी0एस0टी0 नहीं था, लोग बिहार की तरफ नहीं देखते थे। लोगों को लगता था कि बिहार की जनसंख्या ज्यादा होने से वहां गरीबी है। भारत की अर्थव्यवस्था में 14 करोड़ बिहारवासी जी0एस0टी0 के माध्यम से अपना योगदान दे रहे हैं। हमारा प्रयास है कि अगले 20 नवंबर को सरकार के 1 साल पूरा होने तक बिहार में 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाया जा सके। बिहार में जब बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित होंगे तब रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और बिहार में समृद्धि आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जुलाई माह से बिहार के प्रत्येक ब्लॉक में डिग्री कॉलेज खोला जायेगा। प्रत्येक प्रखंड में मॉडल स्कूल की स्थापना की जाएगी ताकि बच्चों को पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि सहयोग कार्यक्रम के तहत प्रत्येक माह में 2 दिन ब्लॉक, अंचल और थाना स्तर पर कैंप लगाकर लोगों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा किया जाएगा। मैं आश्वस्त करता हूं कि बिहार की जन आकांक्षाओं तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के विकसित बिहार के सपने को हर हाल में पूरा करूंगा। इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। 1 करोड़ लोगों को रोजगार एवं नौकरी से जोड़ना सरकार का संकल्प है। इसके लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है।

समारोह को केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अपर सचिव सह विकास आयुक्त डॉ0 रजनीश ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी, विधायक श्रीमती ज्योति देवी, विधायक श्रीमती दीपा कुमारी, विधायक श्री रोमित कुमार सिंह, विधान पार्षद श्री नवल किशोर यादव, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिंह, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, विशेष शाखा के पुलिस महानिदेशक श्री कुंदन कृष्णन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अपर सचिव डॉ० रजनीश, उद्योग विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, गृह विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री संजय कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।
